संपादकीय

फील गुड से आगे

जिस विशाल बहुमत से नरेंद्र मोदी सत्ता में वापस लौटे हैं, वह अपने आप में इस बात का सबूत है कि आम लोगों में उनके नेतृत्व को लेकर खासा उत्साह है। फिर भी अगर कोई कसर रह गई थी तो मोदी मंत्रिमंडल ने अपनी पहली ही बैठक में कई सकारात्मक फैसले करके उसे पूरा कर दिया। किसान सम्मान निधि योजना से लेकर पेंशन योजना और प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना तक में मिलने वाली रकम और इसके दायरे को बढ़ाकर सरकार ने राजकोष पर थोड़ा अतिरिक्त बोझ जरूर डाला है, लेकिन इनके जरिए वह देश में सकारात्मक माहौल बनाने में भी कामयाब रही है।

'मोदी है तो मुमकिन है' नारे के जिस असर को चुनावी माना जा रहा था, वह अब चुनावों के बाद भी कुछ देर तक बना रहेगा, यह तय हो गया है। कई वजहों से राजनीतिक गलियारों में ऐसी चर्चा शुरू हो गई थी कि नतीजे चाहे जो भी आएं, चुनाव के बाद आम लोगों के लिए कठिन दौर शुरू हो जाएगा। ईरान से तेल खरीदने पर रोक के अमेरिकी आग्रह को ध्यान में रखते हुए यह माना जा रहा था कि इस दौर की शुरुआत पेट्रोल-डीजल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी से होगी। मगर इस मोर्चे पर अभी तक कोई बड़ी हेर-फेर नहीं दिखी है। खबर यह भी आई कि भारत सरकार इस मसले पर अमेरिकी आग्रह यूं ही स्वीकार करने के मूड में नहीं है।

इससे आम लोगों में थोड़ी राहत दिखी, लेकिन रोजगार और जीडीपी के आंकड़ों ने स्थितियों की गंभीरता उजागर कर दी। बेरोजगारी दर 45 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर और विकास दर पांच साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच जाने की आधिकारिक पुष्टि हो जाने के बाद चिंता के आवेग को थामने का कोई मजबूत आधार नहीं रह गया था। मंत्रिमंडल की पहली बैठक में लिए गए ये फैसले इस आवेग को रोक भले न पाएं, पर इसका असर कम जरूर कर रहे हैं। इससे यह तो होगा कि देश के मीडिया स्पेस में नकारात्मक खबरों का बोलबाला नहीं देखने को मिलेगा, लेकिन समस्याओं को देखते हुए यह काफी नहीं है। रोजगार और जीडीपी ग्रोथ, इन दोनों ही मोर्चों पर जल्दी कुछ करना होगा। दुनिया में ट्रेड वॉर के हालात अलग चिंता का विषय हैं।

ईरान से तेल खरीद पर रोक को लेकर अमेरिका को मनाने की चुनौती तो है ही, डॉनल्ड ट्रंप भारत को व्यापार में तरजीही दर्जा खत्म करने का बाकायदा ऐलान कर चुके हैं, जो इसी हफ्ते पांच तारीख से लागू हो जाएगा। जाहिर है, लोगों की उम्मीद बनाए रखने का काम सरकार के लिए खासा मुश्किल है। आर्थिक सुधार के लंबित अजेंडा पर अमल से शायद कुछ बात बने। उम्मीद करें कि नई पारी में मोदी सरकार अपनी प्राथमिकताएं पहले से ज्यादा स्पष्ट रखेगी।

पीएम किसान से 8 लाख अमीर किसानों को भी मिलेगा फायदा, भूमिहीन अब भी वंचित

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने दूसरे कार्यकाल की पहली कैबिनेट बैठक में ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (पीएम-किसान) का दायरा बढ़ाने पर मुहर लगा दी। सरकार के इस फैसले से देशभर के 8 लाख ऐसे अमीर किसानों को भी फायदा मिलेगा, जिनके पास 10 हेक्टेयर (करीब 25 एकड़) या इससे अधिक जमीन है।

हालांकि, भारत में कुल किसानों में इनकी हिस्सेदारी महज 0.6 फीसदी ही है। सबसे अधिक जमींदार किसान राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक, हरियाणा और गुजरात में हैं। राज्यवार आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि पंजाब के कुल किसानों में 5.3 फीसदी इस श्रेणी में आते हैं। इसी तरह राजस्थान में 4.7 फीसदी और हरियाणा में 2.5 फीसदी बड़े किसान हैं। दूसरे राज्यों में ऐसे किसानों की संख्या 1 फीसदी से कम है।

भूमि की उर्वरा शक्ति, सिंचाई के साधन आदि को ध्यान में रखकर उत्पादकता की बात करें तो राजस्थान की तुलना पंजाब और हरियाणा से नहीं की जा सकती है, लेकिन कम पानी वाले प्रदेश में बड़े किसानों की संख्या से एक दिलचस्प तस्वीर बनती है। भारत के कुल 8.3 लाख बड़े किसानों में से 43 फीसदी (3.6 लाख) केवल राजस्थान में ही हैं।

राजस्थान सहित टॉप 12 राज्यों में देश के कुल 93 फीसदी बड़े किसान हैं। दूसरी तरफ गोवा, सिक्किम और दिल्ली सहित 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बड़े किसानों की संख्या ना के बराबर है। तेलंगाना में 9 हजार बड़े किसान हैं तो असम और ओडिशा में 4-4 हजार।

बिहार और हिमाचल में इनकी संख्या 3-3 हजार है। केरल में 2 हजार और उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और जम्मू-कश्मीर में 1-1 हजार किसानों के पास 25 एकड़ या इससे अधिक भूमि है। ये आंकड़े एग्रीकल्चर सेंसस 2015-16 से लिए गए हैं, जो पीएम किसान योजना के लिए डेटाबेस के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

भूमिहीन को फायदा नहीं

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को पीएम किसान योजना को विस्तार देते हुए अधिकतम 2 हेक्टेयर भूमि की सीमा हटा दी। इसके बाद देश के सभी 14.5 करोड़ किसान इस योजना के दायरे में आ गए हैं।

इस योजना के तहत सभी किसानों को 6000 रुपये सालाना आर्थिक सहायता देने का प्रावधान है, 2-2 हजार रुपये की तीन किश्तों में यह राशि दी जाती है।हालांकि, इस योजना का लाभ भूमिहीन किसानों को नहीं मिल पाएगा। योजना के विस्तार से 2 करोड़ अतिरिक्त किसानों को लाभ मिलेगा, जिसमें 8 लाख बड़े किसान शामिल हैं।

बीते वित्त वर्ष में सूक्ष्म वित्त उद्योग का ऋण 38 प्रतिशत बढ़ा

नईदिल्ली(आरएनएस)। सूक्ष्म वित्त उद्योग का सकल ऋण पोर्टफोलियो मार्च, 2019 के अंत तक बढ़कर 1,87,386 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सालाना आधार पर यह 38 प्रतिशत की वृद्धि है। माइक्रोफाइनेंस इंस्टिट्यूशंस नेटवर्क (एमएफआईएन) की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार मार्च, 2019 तक कुल सूक्ष्म वित्त खातों की संख्या 9.33 करोड़ थी जो एक साल पहले की तुलना में 21.9 प्रतिशत अधिक है। गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी-सूक्ष्म वित्त संस्थान (एनबीएफसी-एमएफआई) का सूक्ष्म ऋण पोर्टफोलियो में सबसे बड़ा हिस्सा है। इस वर्ग में कुल बकाया ऋण 68,868 करोड़ रुपये है जो समग्र सूक्ष्म ऋण कारोबार का 36.8 प्रतिशत है। एमएफआईएन ने कहा कि 31 मार्च, 2019 तक एनबीएफसी-एमएफआई का सकल ऋण पोर्टफोलियो 68,207 करोड़ रुपये था, जो मार्च, 2018 की तुलना में साल दर साल आधार पर 47 प्रतिशत अधिक रहा है। एमएफआईएन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हर्ष श्रीवास्तव ने कहा कि बीते वित्त वर्ष में सूक्ष्म वित्त ने तेज, क्षेत्रीय दृष्टि से संतुलित वृद्धि दर्ज की।

पेट्रोल के भाव 7 पैसे लीटर घटे, डीजल हुआ 20-22 पैसे सस्ता

नई दिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोल और डीजल के दाम में मंगलवार को लगातार छठे दिन गिरावट दर्ज की गई। तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल के दाम में सात पैसे जबकि डीजल के दाम में 20-22 पैसे प्रति लीटर की कटौती की। उधर, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव में नरमी बनी हुई है, जिससे आने वाले दिनों पेट्रोल और डीजल के दाम में और कमी होने की संभावना बनी हुई है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम घटकर क्रमशः 71.23 रुपये, 73.47 रुपये, 76.91 रुपये और 74.01 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। डीजल के दाम भी चारों महानगरों में घटकर क्रमशः 65.56 रुपये, 67.48 रुपये, 68.76 रुपये और 69.36 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं।

तेल विपणन कंपनियों ने मंगलवार को दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम में सात पैसे प्रति लीटर की कटौती की, जबकि डीजल के दाम दिल्ली और कोलकाता में 20 पैसे, मुंबई में 21 पैसे और चेन्नई में 22 पैसे लीटर घट गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में लगातार सातवें दिन गिरावट का सिलसिला जारी रहा। इस दौरान बेंचमार्क कच्चा तेल ब्रेंट क्रूड के दाम में लगभग 10 डॉलर प्रति बैरल की कमी आई है। उर्जा विशेषज्ञ नरेंद्र तनेजा का कहना है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में आई हालिया गिरावट के बाद भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम में कमी आएगी जिससे आम उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।

ढांचागत सुविधाओं को मजबूत बनाना, लघु उद्योगों के जरिये रोजगार सृजन प्राथमिकता: गडकरी

नईदिल्ली(आरएनएस)। देश के राजमार्गों सहित ढांचागत सुविधाओं को बेहतर बनाना और लघु उद्योगों के जरिये रोजगार के अवसर सृजित करना वरिष्ठ भाजपा नेता और केन्द्रीय मंत्री नितिन जयराम गडकरी की प्राथमिकताओं में शामिल है। गडकरी ने मंगलवार को सड़क परिवहन, राजमार्ग और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) मंत्रालयों का कार्यभार संभालने के मौके पर अपनी यह मंशा जाहिर की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के दूसरे कार्यकाल में नितिन गडकरी को इन मंत्रालयों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गडकरी ने पिछले कार्यकाल में राजमार्ग विकास के क्षेत्र में काफी काम किया। उन्होंने पिछले कई सालों से अटकी पड़ी सड़क परियोजनाओं को आगे बढ़ाया और ढांचागत विकास के क्षेत्र में काफी काम किया। गडकरी ने दोनों मंत्रालयों का कार्यभार संभालने के मौके पर कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ढांचागत सुविधाओं को मजबूती देना मेरी प्राथमिकता होगी।

आरबीआई ने दी ऐक्सिस बैंक के चेयरमैन पद पर राकेश मखीजा की नियुक्ति को मंजूरी

नईदिल्ली (आरएनएस)। निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक ने सोमवार को कहा कि रिजर्व बैंक ने बैंक के चेयरमैन पद पर राकेश मखीजा की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। बैंक के बोर्ड ने मार्च में चेयरमैन के पद पर मखीजा की नियुक्ति को मंजूरी दे दी थी। बोर्ड के इस फैसले के लिए केंद्रीय बैंक की मंजूरी आवश्यक थी। ऐक्सिस बैंक ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी है, हम सूचित करना चाहते हैं कि आरबीआई ने 31 मई, 2019 के अपने पत्र के जरिए स्वतंत्र निदेशक राकेश मखीजा की बैंक के गैर-कार्यकारी (अंशकालिक) चेयरमैन के पद पर तीन साल के लिए नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। उनकी नियुक्ति 18 जुलाई, 2019 से 17 जुलाई, 2022 तक के लिए प्रभावी है। मखीजा अपने चार दशक के करियर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भारत में उद्योग एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं। वह एसकेएफ समूह में कई शीर्ष पदों पर रह चुके हैं।

वर्ल्ड कप में ऑरेंज जर्सी में भी दिखेगी टीम इंडिया

लंदन (आरएनएस)। आईसीसी विश्व कप-2019 में भारतीय टीम पारंपरिक नीले रंग की जर्सी में खेलती दिखेगी लेकिन इंग्लैंड के साथ होने वाले मुकाबले में उसे अपनी 'अल्टरनेट जर्सी' का उपयोग करना होगा, जो पीछे से ऑरेंज है। हालांकि आगे से यह जर्सी नीले रंग की ही है। ऑरिजिनल नीली जर्सी की तुलना में इस जर्सी का पिछले हिस्से का रंग ऑरेंज है। सूत्र ने बताया कि जैसा कि अधिकांश लोग कह रहे हैं, यह अवे जर्सी नहीं है। यह एक तरह की अल्टरनेट जर्सी है और आईसीसी के खेल के नियमों पर आधारित है।

सूत्र ने कहा, 'लोग इस जर्सी को लेकर कई तरह की बातें कर रहे हैं। इसे अवे जर्सी बताया जा रहा है लेकिन ऐसा नहीं है। यह एक अल्टरनेट जर्सी है, जो भारतीय टीम 30 जून को इंग्लैंड के साथ होने वाले मैच के दौरान पहनेगी। आईसीसी नियमों के अनुसार मेजबान को आईसीसी इवेंट में खेलते हुए अपनी जर्सी

के रंग को बरकरार रखना होता है। चूंकि भारत की जर्सी भी नीले रंग की है, ऐसे में भारत की जर्सी में यह बदलाव किया गया है।'

भारत को अपना पहला मैच बुधवार को साउथहैम्पटन में दक्षिण अफ्रीका के साथ खेलना है। मेजबान इंग्लैंड अपने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को हरा चुका है। वहीं इंग्लैंड को दूसरे मैच में पाकिस्तान से शिकस्त झेलनी पड़ी। इस बीच भारत को अपने पहले मैच से पूर्व रविवार को कप्तान विराट कोहली की चोट ने काफी समय तक परेशान किए रखा। बाद में हालांकि साफ हो गया कि अभ्यास के दौरान अंगूठे में लगी कोहली की चोट गंभीर नहीं है।

आज का राशिफल

मेष:- आज धन प्राप्ति के विशेष योग हैं लेकिन वाणी पर संयम बनाए रखें ताकि शुभ फल प्राप्त होता रहे। इसके अलावा घर-परिवार और संतान के मामले में आज आपको आनंद की भावना का अनुभव होगा।

वृषभ:- नौकरी में अधिकारियों का सहयोग एवं कार्य करने के लिए उत्साह बना रहेगा। नकारात्मक विचारों से दूर रहें।

मिथुन:- खर्च और कर्ज आज आपकी चिंता का कारण बन सकता है इसलिए सोच-समझकर कार्य करें, अनावश्यक खर्च से बचें, कार्यों में समस्याएं आ सकती हैं।

कर्क:- आज का दिन मंगलमय बीतेगा, विशेष लाभ का योग बन रहा है। कार्यों की पूर्णता के आसार हैं। आज के दिन जोखिमपूर्ण निवेश में भी लाभ होगा। घर में शांति का वातावरण रहेगा।

सिंह:- आज का दिन सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में आपके लिए लाभदायक साबित होगा। मौज-मस्ती के साधन, उत्तम आभूषण और वाहन की खरीदारी की भी संभावना है।

कन्या:- अध्यात्मिक सुख एवं सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा। भाग्य आज आपका साथ देने के लिए है तत्पर है। नए अवसर सामने आएंगे।

तुला:- आज दूर की यात्रा न करें, वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं। अजनबी लोगों पर भरोसा न करें अन्यथा मुश्किल में पड़ सकते हैं। किसी को उधार देने से बचें।

वृश्चिक:- जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्त्रियों के दांपत्य जीवन में सुख की वृद्धि होगी। संतान संबंधी किसी शुभ समाचार के मिलने के संकेत हैं।

धनु:- उन्नतिदायक दिन है। अचानक कोई शुभ समाचार या रुका हुआ धन मिलेगा। आज आपके शत्रु पराजित होंगे। किसी से कोई बड़ा प्रॉजक्ट भी मिल सकता है।

मकर:- आज के दिन किसी से पैसे का लेन-देन न करें। खर्च में वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य के मामले में ध्यान रखें। परिजनों के साथ वाद-विवाद होने की आशंका है।

कुंभ:- पारिवारिक वातावरण के कारण आप परेशानी का अनुभव कर सकते हैं। निरर्थक धन खर्च हो सकता है। विलंब से कार्य पूरा होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय लेना हितकर नहीं है।

मीन:- आत्मविश्वास एवं परा म में वृद्धि के चलते आज आपको सफलता मिलेगी। इसके अलावा आज आर्थिक लाभ और भाग्यवृद्धि के लिए अच्छा दिन है।

पिज्जा सॉस बनाने की विधि...

पिज्जा सभी को पसंद होता है लेकिन इसका टेस्ट पिज्जा सॉस के साथ ही मजेदार लगता है। आज जगह जगह पर पिज्जा सेंटर खुले हुए हैं। कई बड़ी कंपनियां भी पिज्जा सेंटर चला रही हैं। इन स्थानों की भीड़ देखकर आप सहज ही अनुमान लगा सकते हैं की लोगों को पिज्जा कितना पसंद होता है।लेकिन पिज्जा यदि आपको बिना सॉस के साथ खाने को दे दिया जाए तो आपको उसमें उतना टेस्ट नहीं आएगा। जितना सॉस के साथ आता है। इसी क्रम में आज हम आपको पिज्जा सॉस घर पर बनाने की विधि बता रहें हैं।

सामग्री

प्याज-1 (बारीक कटी हुई), लहसुन- 5 से 6 (कटे हुए), टमैटो कैचअप- 1/2 कप, टमैटो प्यूरी- 2 कप, नमक-1 टेबलस्पून, लाल मिर्च पाउडर-2 टेबलस्पून, मिश्रित जड़ी बूटियां-2 टेबलस्पून

विधि

पहले आप एक पैन को गर्म करें तथा उसमें 2 टेबलस्पून ऑलिव ऑयल को डालें। अब आप उसमें कटी लहसुन की कलियां डाल कर उनको आधा मिनट तक फ्राई करें। इसके बाद आप इसमें टमैटो प्यूरी डालकर उस समय तक चलाते रहें जब तक टमाटर का रस भाप बनकर न उड़ जाए।झअब आप इसमें नमक तथा लाल मिर्च को भी डालें। इसके बाद आप इसमें मिश्रित जड़ी बूटियां, कैचप और टमाटर की चटनी डालें। अब आप इसको कुछ देर अच्छे से चलाएं तथा गैस को बंद कर दें। इस प्रकार से आपकी पिज्जा सॉस आसानी से बन जाती है।

शब्द सामर्थ्य- 85

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अहेरी 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

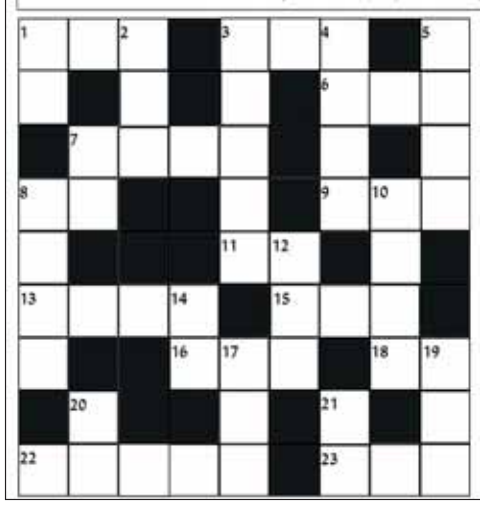

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 84 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	र्दा	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दे	ब		म	द
ब		म		व	न	ज		ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

सू-दोकू- 85

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.84 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2